कार्रवाई | मंडी उड़नदस्ता दल की बड़ी कार्रवाई

बिना अनुज्ञा पत्र 300 क्विंटल गेहूं का अवैध परिवहन पकड़ा

सिहोरा, नवभारत। कृषि उपज मंडी समिति सिहोरा द्वारा अवैध परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए मंगलवार को बड़ी सफलता हासिल की है। बताया जाता है कि निरीक्षण के दौरान मंडी उड़नदस्ता दल ने 300 क्विंटल गेहूं से भरे एक वाहन को बिना अनुज्ञा पत्र के परिवहन करते हुए पकड़ा है।

यह कार्रवाई मंडी बोर्ड भोपाल के प्रबंध संचालक के निर्देश एवं आंचलिक कार्यालय जबलपुर के संयुक्त संचालक मो. शाहिद खान के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी (भारसाधक अधिकारी) ज्योति परस्ते एवं मंडी सचिव सविता धुर्वे के निर्देशन में की गई है।

मंडी उड़नदस्ता दल प्रभारी शिवलाल कुलेश, उप निरीक्षक प्रमोद पटेल, श्री पूसाम एवं सहायक ग्रेड-3 श्री नरेन्द्र गर्ग द्वारा वाहन क्रमांक UP70FT-1313 की जांच की गई। जांच में पाया गया कि गोसलपुर से हैदराबाद ले जाया जा रहा 300 क्विंटल गेहूं बिना वैध अनुज्ञा पत्र के परिवहन किया जा रहा था, जो कि मंडी अधिनियम का उल्लंघन है।

इस पर म.प्र. कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19(6) के तहत प्रकरण दर्ज कर धारा 19(4) के अंतर्गत कार्रवाई की गई। संबंधित व्यापारी अमृतलाल पर दण्डात्मक शुल्क लगाते हुए कुल 62, 375 रुपए की वसूली की गई।

इस प्रकार वसूला गया दण्ड शुल्क

पांच गुना मंडी शुल्क 50,625/- रुपए, निराश्रित शुल्क 6,750/- रुपए, समझौता शुल्क 5,000/- रुपए कुल वसूली 62,375/- रुपए की गई। मंडी समिति ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुज्ञा पत्र के कृषि उपज का परिवहन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ट्रक एवं कार की भिड़ंत में चार लोग घायल

▸ ओवरटेक के प्रयास में आमने सामने टकराए वाहन

मंडला। नेशनल हाईवे-30 पर गाजीपुर के समीप मंगलवार को एक तेज रफ्तार ट्रक और कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों की पहचान भूपेंद्र उईके, जगदीश रजक, अजय सोनी और देवेंद्र उईके के रूप में हुई है, जो भुआ बिछिया और राजो क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार में सवार चारों लोग जबलपुर से अपना काम निपटाकर वापस बिछिया की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान गाजीपुर के पास रायपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक से उनकी कार की सीधी भिड़ंत हो गई। प्रारंभिक जांच और चश्मदीदों के अनुसार, यह दुर्घटना एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और घायल अंदर ही फंस गए।

क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाया गया

हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोग और संबंधित थाने की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत करते हुए क्षतिग्रस्त कार के मलबे से चारों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला और तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस भीषण दुर्घटना के चलते नेशनल हाईवे-30 पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह बाधित रहा। बाद में पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को बीच सड़क से हटाकर किनारे किया।

नान्देड-टनकपुर के बीच नई ट्रेन सेवा

जबलपुर, नवभारत। रेल मंत्रालय द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 17631/17632 हजूर साहिब नान्देड-टनकपुर-हजूर साहिब नान्देड साप्ताहिक एक्सप्रेस के मध्य एक नई ट्रेन सेवा की शुरुआत की गई है। इस नई ट्रेन का संचालन 12 जुलाई से प्रत्येक रविवार को हजूर साहिब नान्देड रेलवे स्टेशन और 14 जुलाई से प्रत्येक मंगलवार को टनकपुर रेलवे स्टेशन से सेवाएं प्रारम्भ हो रही है। यह नई ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, रानी कमलापति एवं बीना स्टेशनों से होकर गंतब्य को जाएगी गाड़ी संख्या 17631 हजूर साहिब नान्देड-टनकपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रत्येक रविवार को अपने प्रारम्भिक स्टेशन हजूर साहिब नान्देड से रात्रि 23:40 बजे रवाना होकर, दूसरे दिन सोमवार को इटारसी रेलवे स्टेशन सुबह (11:55/12:05 बजे), रानी कमलापति रेलवे स्टेशन (13:40/13:45 बजे) एवं बीना रेलवे स्टेशन (15:55/16:00 बजे) पर आगमन प्रस्थान कर और तीसरे दिन मंगलवार सुबह 05:55 बजे टनकपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी वही गाड़ी संख्या 17632 टनकपुर-हजूर साहिब नान्देड साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रत्येक मंगलवार अपने प्रारम्भिक स्टेशन टनकपुर से सुबह 09:00 बजे रवाना होकर अगले दिन बीना रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन (02:40/02:50 बजे), इटारसी रेलवे स्टेशन (04:15/04:20 बजे) पर आगमन प्रस्थान कर और बुधवार शाम 16:30 बजे हजूर साहिब नान्देड रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

सार्थक ऐप के विरोध में अवकाश पर रहे कृषि विस्तार अधिकारी, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

सिहोरा, नवभारत। मध्य प्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी संघ के आह्वान पर आज जिला इकाई जबलपुर द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर जबलपुर को सौंपा गया। यह ज्ञापन कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा 'सार्थक ऐप' पर अनिवार्य उपस्थिति दर्ज कराने के विरोध में दिया गया है। गौरतलब है कि इस डिजिटल व्यवस्था के विरोध में आज प्रदेशभर के सभी कृषि विस्तार अधिकारी एक दिवसीय सामूहिक अवकाश पर रहे, जिससे विभागीय कामकाज पूरी तरह ठप रहा।

सौंपे गए ज्ञापन में कृषि विस्तार अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर आने वाली व्यावहारिक और भौगोलिक समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया है।

मूलभूत सुविधाओं का अभाव और अत्यधिक कार्यभार-ज्ञापन में बताया गया कि कृषि विभाग में महिला कृषि विस्तार अधिकारियों की संख्या काफी अधिक है। ग्रामीण केंद्रों पर उनके लिए न तो शासकीय आवास की व्यवस्था है और न ही बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा, वर्तमान में एक-एक अधिकारी के पास 2 से लेकर 6 केंद्रों का प्रभार है, जिसके तहत उन्हें 40 से 50 गांवों का विशाल क्षेत्र देखना पड़ रहा है। कृषि कार्य के साथ-साथ इन अधिकारियों पर अन्य विभागों के कार्यों (जैसे- सोयाबीन भावांतर योजना, समर्थन मूल्य पर धान-गेहूं खरीदी, खाद्य वितरण, बीएलओ ड्यूटी और एसएआर सर्वे) का भी अत्यधिक बोझ है।

कार्य की अनिश्चितता और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा- ज्ञापन में आगे कहा गया कि कृषि विस्तार अधिकारियों का कार्य पूरी तरह किसानों की उपलब्धता पर निर्भर करता है, जिसके कारण उनके काम की कोई समय-सीमा तय नहीं हो पाती। अक्सर उन्हें देर शाम या रात्रि विश्राम तक गांवों में करना पड़ता है। ऐसे में समय की बाध्यता और सार्थक ऐप पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की अनिवार्यता के कारण, विशेषकर महिला कर्मचारियों को देर रात अपने गंतव्य तक लौटने में सुरक्षा संबंधी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में उनके मुख्यालयों पर बैठने या ठहरने की कोई भौतिक व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में नेटवर्क की समस्या और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के बीच सार्थक ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना व्यावहारिक रूप से अत्यंत कठिन और मानसिक तनाव पैदा करने वाला साबित हो रहा है।

इन तमाम वास्तविक और व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी संघ ने मुख्यमंत्री से विनम्र अनुरोध किया है कि कृषि विस्तार अधिकारियों की कार्यप्रकृति को समझते हुए उन्हें सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज करने की अनिवार्यता से तत्काल मुक्त रखा जाए।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी इन जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया गया, तो वे आगे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे. ज्ञापन के दौरान जिलाध्यक्ष वृषभान अहिरवार, प्रांतीय प्रतिनिधि हरीश बर्वे एवं संघ के अन्य पदाधिकारियों के साथ जिले के समस्त कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर में

बाइक की टक्कर से गाय की मौत, दो युवक भी घायल

निवास। निवास से मंडला मार्ग पर स्थित ग्राम पिपरिया के समैया तिराहा के समीप मंगलवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ एक तेज रफ्तार बाइक अचानक सामने आए गाय से टकरा गई। इस भीषण टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, वहीं दुर्घटना में गाय की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी अनुसार ग्राम खुदरी निवासी रामचरण मरावी 30 वर्ष और ग्राम समैया निवासी संजू मरावी 25 वर्ष दोनों पेशे से मजदूर हैं। मंगलवार को दोनों युवक ग्राम सिंगपुर से अपनी मजदूरी का काम खत्म करके बाइक द्वारा ग्राम पिपरिया की ओर आ रहे थे। इसी दौरान जैसे ही वे समैया तिराहे के पास पहुंचे, सड़क पर अचानक एक गाय सामने आ गई। रफ्तार अधिक होने के कारण बाइक चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बाइक सीधे गाय से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवक हवा में उछलते हुए सड़क पर दूर जा गिरे, जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत 108 एंबुलेंस और डायल-112 पुलिस को सूचना दी।

नदी में गिरी बोलेरो, रेंजर समेत चार घायल

नारायणगंज। राष्ट्रीय राज मार्ग-30 पर स्थित बालई नदी पुल इन दिनों बड़े हादसों का कारण बनता जा रहा है। जहां आए दिन वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, बीते 6 जुलाई की रात लगभग 9:30 बजे इसी पुल पर एक बड़ा हादसा हो गया। जबलपुर से मंडला की ओर जा रही बोलेरो (क्रमांक एमपी-20-टीए-2261) पुल पर बने गड्ढों और सामने आए एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में पुल की सुरक्षा रेलिंग तोड़ते हुए लगभग 25 से 30 फीट नीचे बालई नदी में जा गिरी। हादसे के समय नदी में पानी का स्तर कम होने के कारण वाहन पूरी तरह डूबा नहीं और पलटने से भी बच गया। इससे वाहन में सवार लोगों की जान बच गई। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंच गए। स्थानीय युवक मनीष बर्मन और डुमरी सिंगरौरे ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए बिना अपनी जान की परवाह किए नदी में उतरकर वाहन में फंसे सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला।

40 लीटर कच्ची शराब व 1250 किलो महुआ लाहन जब्त

▸ सिहोरा में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

सिहोरा, नवभारत। अवैध मदिरा निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से आबकारी विभाग द्वारा सिहोरा क्षेत्र में सघन कार्रवाई की गई। जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन, सहायक आबकारी आयुक्त संजीव कुमार दुबे के मार्गदर्शन एवं नियंत्रण कक्ष प्रभारी अधिकारी परमानंद कोरचे के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया।

कार्रवाई के दौरान वृत्त सिहोरा अंतर्गत लखराम मोहल्ला एवं ग्राम धमकी में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई। इस दौरान टीम ने 40 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब एवं लगभग 1250 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया। उक्त प्रकरणों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं (च) के तहत कुल 18 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। विभाग द्वारा अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

इनकी रही मुख्य भूमिका

इस कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश कुमार पन्द्रे, आबकारी उप निरीक्षक गिरिजा धुर्वे, रवि शंकर मरावी, श्वेता सिंह तिवारी, आशीष जैन, शिल्पा स्वर्णकार, रूपाली जैन सहित आबकारी मुख्य आरक्षक एवं आरक्षक उपस्थित रहे।

पिपरिया रेलवे अस्पताल पर चलाया टीबी जागरूकता कार्यक्रम

जबलपुर, नवभारत। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल अंतर्गत पिपरिया रेलवे चिकित्सालय एवं रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को क्षय रोग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन और रेलवे कर्मचारियों को टीबी के प्रति जागरूक करना तथा समय पर जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में रेलवे चिकित्सक डॉ. आर.आर. कुर्रे ने टीबी के प्रकार, लक्षण, जांच, उपचार और बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फेफड़ों में होने वाले संक्रमण को पल्मोनरी टीबी तथा शरीर के अन्य अंगों में होने वाले संक्रमण को एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि यदि रोग का समय पर और निर्धारित अवधि तक उपचार नहीं कराया जाए तो यह मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट (एमडीआर) टीबी का रूप ले सकता है, जिसका इलाज अधिक जटिल होता है। डॉ. कुर्रे ने बताया कि लगातार दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन कम होना, कमजोरी, बलगम या खून आना तथा सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत टीबी की जांच करानी चाहिए। उन्होंने संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नशामुक्त जीवनशैली, नियमित योग-व्यायाम, बच्चों का समय पर टीकाकरण और उपचार का पूरा कोर्स पूरा करने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों से टीबी को छिपाने के बजाय समय पर जांच और उपचार कराने तथा टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की गई।

सूरतलाई शाला में किया गया पौधरोपण

नवभारत, बेलखाड़ू। संकुल केंद्र बेलखाड़ू व विकास खंड पनागर के शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला सूरतलाई में विद्यालय को हरा भरा बनाने के उद्देश्य हेतु एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शाला परिसर में पौधारोपण किया गया। जिसमें प्रधानाध्यापक राजेश कुमार चौधरी, इन्द्र सिंह राजपूत, रश्मि सोनी, सपना जैन, रानी दुबे, अंजनी तिवारी, फूल बाई यादव, संध्या अवस्थी, देवेन्द्र धुर्वे, हर्ष पटैल, प्रिंस यादव, रघु दुबे, रिया नट की उपस्थिति रही। नीरज सिंह राजपूत सूरतलाई द्वारा पौधों की सुरक्षा के लिए चार ट्री गार्ड प्रदान किए गए जिसमें शालेय परिवार द्वारा उनके सहयोग की सराहना की।

अब होलसेल दवा विक्रेता नहीं बेच सकेंगे फुटकर दवाएं

▸ ड्रग इंस्पेक्टर ने दी नियमों की जानकारी

जबलपुर, नवभारत। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा मदन महल में नशा मुक्ति एवं दवा जागरूकता विषय पर जनहित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ड्रग इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार जैन ने दवा विक्रय से जुड़े नियमों, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और आम नागरिकों के अधिकारों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि होलसेल दवा लाइसेंसधारी फुटकर दवा बिक्री नहीं कर सकते। ड्रग इंस्पेक्टर ने नशीले इंजेक्शन, कोडीन युक्त सिरप, प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री, मेडिकल स्टोर संचालन के नियम, नकली और एक्सपायरी दवाओं की पहचान, एंटीबायोटिक के दुरुपयोग तथा ऑनलाइन दवा बिक्री से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिना डॉक्टर की पर्ची के प्रतिबंधित दवाओं का विक्रय कानूनन अपराध है।

बन गई है गंभीर चुनौती

कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय वाधवानी ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। इससे बचाव के लिए जनजागरूकता, कानूनों का प्रभावी पालन और समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने ड्रग इंस्पेक्टर से 34 जनहित से जुड़े प्रश्न पूछे। इनमें होलसेल एवं रिटेल दवा लाइसेंस, बिना पर्चे दवा बिक्री, मेडिकल स्टोर पर फार्मासिस्ट की अनिवार्य उपस्थिति, स्कूल-कॉलेजों के आसपास नशीली दवाओं की रोकथाम, बिना लाइसेंस दवा विक्रय, शिकायत प्रक्रिया और शिकायतकर्ता की गोपनीयता जैसे विषय प्रमुख रहे। देवेंद्र कुमार जैन ने कहा कि नागरिकों की सतर्कता और समय पर शिकायत से अवैध दवा कारोबार पर नियंत्रण संभव है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. चंद्रेश जैन, एडवोकेट भावना निगम, डॉ. मुकेश जायसवाल, एडवोकेट आशीष त्रिपाठी, एडवोकेट अमित खत्री, एडवोकेट विवेक शुक्ला, डॉ. स्नेहा मेथवानी, डॉ. अशोक मेथवानी, डॉ. कमल विश्वास, डॉ. श्रीकांत साहू सहित अनेक चिकित्सक, अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अशोकनगर-दिल्ली के बीच एक ट्रिप चलेगी स्पेशल ट्रेन

जबलपुर, नवभारत। यात्रियों की सुविधा एवं गुरू पूर्णिमा पर्व के दौरान अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए, रेलवे प्रशासन द्वारा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन दिल्ली सराय रोहिल्ला से अशोकनगर रेलवे स्टेशन के मध्य एक-एक ट्रिप के लिए चलाई जाएगी। गाड़ी संख्या 04004 दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन से अशोकनगर स्टेशन के लिए 26 जुलाई रविवार को दोपहर 12:15 बजे प्रस्थान कर फरीदाबाद रेलवे स्टेशन (13:40/13:42 बजे), कोसीकलां स्टेशन (14:55/14:57 बजे), मथुरा जंक्शन (16:20/16:25 बजे), आगरा कैंट (17:10/17:15 बजे), धौलपुर स्टेशन (19:08/19:10 बजे), ग्वालियर जंक्शन (20:45/20:50 बजे), वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन (22:40/22:45 बजे) एवं बीना जंक्शन (02:30 /03:00 बजे) पर आगमन प्रस्थान कर 27 जुलाई को अशोक नगर स्टेशन पर 04:00 बजे पहुँचेगी। वही गाड़ी संख्या 04003 अशोकनगर स्टेशन से दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन के लिए 30 जुलाई (गुरूवार) को शाम 17.00 प्रस्थान कर बीना जंक्शन (18:40 /19:10 बजे), वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन (22:10/22:20 बजे), ग्वालियर जंक्शन (00:15/00:20 बजे), धौलपुर स्टेशन (01:35/01:37 बजे), आगरा कैंट (02:40/02:45 बजे), मथुरा जंक्शन (04:20/04:25 बजे), कोसीकलां स्टेशन (04:58/05:00 बजे) एवं फरीदाबाद रेलवे स्टेशन (07:10/07:15 बजे) पर आगमन प्रस्थान कर 31 जुलाई को दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर 08:45 बजे पहुँचेगी।

पढ़ाई प्रभावित | कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार बेअसर, अभिभावकों ने की एसपी से दोषियों पर कार्रवाई की मांग

1200 से अधिक बच्चों का भविष्य ताले में कैद

नवभारत, जबलपुर। प्रदेश में एक ओर 'स्कूल चलें हम' अभियान चलाकर बच्चों को स्कूल पहुंचाने की कवायद की जा रही है, वहीं पनागर क्षेत्र के सिंगोद स्थित संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का ताला पिछले छह माह से नहीं खुला है। नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के 1200 से अधिक विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसी मुद्दे को लेकर मंगलवार की जनसुनवाई में बड़ी संख्या में अभिभावकों और क्षेत्रीय नागरिकों ने पुलिस एवं प्रशासन के समक्ष अपनी पीड़ा रखी।

राष्ट्रीय किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष छोटे भाई कुर्मी के नेतृत्व में पहुंचे अभिभावकों और क्षेत्रीय नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, तत्कालीन प्राचार्य रत्नेश कुमार शर्मा तथा सहायक प्राचार्य अशोक मिश्रा के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपकर विद्यालय तत्काल शुरू कराने की मांग दोहराई।

अभिभावकों का कहना है कि 23 मार्च 2026 से अब तक जिला कलेक्टर, जनसुनवाई, क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी, जनप्रतिनिधियों और राज्य शासन तक कई बार शिकायतें भेजी जा चुकी हैं। 1 अप्रैल को विद्यार्थियों ने विद्यालय के सामने प्रदर्शन किया, 23 अप्रैल को भारत बंद और पनागर बंद के माध्यम से भी शासन का ध्यान आकर्षित किया गया तथा मुख्यमंत्री की जनसुनवाई में भी मामला उठाया गया, लेकिन इसके बावजूद स्कूल का ताला आज तक नहीं खुला। नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बाद भी बच्चे नियमित शिक्षा से वंचित हैं।

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण सरकारी योजनाओं और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा विरोधाभास दिखाई दे रहा है। उनका कहना है कि एक ओर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर एक सरकारी स्कूल महीनों से बंद पड़ा है। ऐसे में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को एक सप्ताह के भीतर विद्यालय शुरू कराने की दिशा में पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यदि अगले मंगलवार तक स्कूल नहीं खुलता है तो प्रतिनिधिमंडल दोबारा मिले, दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। वहीं अभिभावकों ने चेतावनी दी है की यदि जल्द विद्यालय का ताला नहीं खुला तो बच्चों के भविष्य की लड़ाई को लेकर आंदोलन और तेज किया जाएगा।